Dainik Bhaskar (Indore), 13th December 2011, Page-2

आईआईटी ने स्वीकारा मॉडल स्कूल का मेंटॉर बनना

भास्कर संवाददाता | इंदौर

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने इंदौर में मॉडल स्कूल के लिए मेंटॉर (अभिभावक) का जिम्मा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) को दिया था जिसे उसने मंजूर कर लिया है। एमएचआरडी ने मेंटॉर बनने के लिए आईआईटी इंदौर को पत्र लिखा था। आईआईटी ने प्रस्ताव स्वीकार करने संबंधी पत्र भी मंत्रालय को भेज दिया है। अब देरी बस 10 एकड़ जमीन मिलने की है। जमीन राज्य सरकार आईआईटी इंदौर को उपलब्ध कराएगी।

सिमरोल में ही बनेगा स्कूल- आईआईटी इंदौर का स्थायी भवन सिमरोल में प्रस्तावित है। आईआईटी की मंशा है कि इस स्कूल के लिए आईआईटी को जमीन उसके स्थायी भवन के लिए मिली 502 एकड़ जमीन के पास ही राज्य शासन उपलब्ध करा दे, इससे मेंटॉर बनने में सुविधा होगी। आईआईटी की जमीन पर यह स्कूल नहीं बन सकता। कारण है कि उसकी जमीन पर स्टाफ के लिए अलग से स्कूल की प्लानिंग अनिवार्य रूप से रहती है।

स्कूल में यह होगा

- यह आवासीय स्कूल होगा
- 9वीं से 12वीं क्लास के लिए होगा
- प्रवेश परीक्षा के आधार पर छात्र को प्रवेश मिलेगा
- अंग्रेजी माध्यम में होगी शिक्षा
- एक क्लास में अधिकतम 40 बच्चे होंगे और एक क्लास के दो सेक्शन होंगे
- बच्चे के सर्वांगीण विकास के मुताबिक शिक्षा दी जाएगी

यह है मॉडल स्कूल की प्लानिंग

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहनसिंह ने साल 2007 में देश के हर ब्लॉक में एक मॉडल स्कूल की संकल्पना रखी थी। इसके तहत देशभर में 6000 मॉडल स्कूल बनना हैं। 3500 स्कूल केंद्र व राज्य सरकार 75 : 25 अनुपात में आर्थिक मदद से बनेंगे। इसके लिए राज्य मुफ्त जमीन उपलब्ध कराएगा। 2500 स्कूल पीपीपी के आधार पर बनेंगे। एमएचआरडी अभी तक 400 से अधिक स्कूलों की योजना मंजूर कर चुका है।

हमने दे दी है मंजूरी

आईआईटी के डायरेक्टर डॉ. प्रदीप माथुर ने मॉडल स्कूल के मेंटॉर बनने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इससे बच्चों को काफी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय द्वारा हमें जमीन ट्रांसफर करने के बाद हम स्कूल का विकास करेंगे।